तुम्हारे वास्ते मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे,
ना मुख मोड़ेंगे जीवन की,
तुम्हे बाजी लगाएंगे,
तुम्हारे वास्तें मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे।।

सदा संतोष रखेंगे,
किसी से कुछ ना चाहेंगे,
छोड़ कर सारी चिंताए,
तुम्हारे गीत गाएंगे,
तुम्हारे वास्तें मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे।।

कहेगा यदि भला कोई,
भला खुद को ना मानेंगे,
सुनाएगा खरी खोटी,
नही उस पर रिसाएंगे,
तुम्हारे वास्तें मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे।।

बनेंगे दीन उपकारी,
तजेंगे स्वार्थी पन को,
तुम्हे अपना बनाने को,

सभी के काम आएँगे,
तुम्हारे वास्तें मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे।।

मिटेंगे मन के जब सारे,
ये सुख दु:ख द्वन्द के झगड़े,
मेरे प्राणेश मन मोहन,
तभी तो तुमको पाएँगे,
तुम्हारे वास्तें मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे।।

तुम्हारे वास्ते मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे,
ना मुख मोड़ेंगे जीवन की,
तुम्हे बाजी लगाएंगे,
तुम्हारे वास्तें मोहन,
सभी दु:ख हम उठाएंगे।।

स्वर श्री चित्र विचित्र जी महाराज।

Source:
https://www.bharattemples.com/tumhare-vaste-mohan-sabhi-dukh-hum-uthayenge/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw